

राजस्थान सरकार
राजस्व ग्रुप-६वें विभाग

पंक्ति:- ६०३०२ राज-६/२०००/५

जबलपुर, दिनांक:- १३.२.०५

अधिसूचना

राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, १९५५ & १९५६ का राजस्थान अधिनियम
में १५वीं की धारा १०२ के लाभ पठित धारा २६। की उपधारा २२ के अण्डे
५४। ५७। दोनों प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार, राजस्थान
भू-राजस्व गोशालायों को भूमि का आवृत्तन नियम, १९५७ को और सरोकार
करने के लिए, हमें हारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अथातः-

१. अधिसूचना का उपरांत प्रारम्भ:- ५। इन नियमों का नाम राजस्थान भू-राजस्व
गोशालायों को भूमि का आवृत्तन नियम, २००५ है।
२. ५। २। ये राजपत्र में इनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
३. नियम ६ तथा संशोधन-राजस्थान भू-राजस्व गोशालायों को भूमि का आवृत्तन
नियम, १९५७ के नियम ६ में, विद्यमान छाड़ी ५५ के पश्चात् निम्नलिखित
परन्तु जोड़ा जायेगा, अथातः-

"परन्तु, यदि गोशालायों को आवृत्त के लिए कोई उपयुक्त सवाईका
भूमि उपलब्ध नहीं है और ग्राम के पश्चात् की वराही के लिए पर्याप्त
भूमि उपलब्ध रहती है तो इन नियमों के अधीन वराहाद मुख्य बाबिटि
की जा सकेगी।"

राज्यपाल के आदेश ऐ

राजसन उप सचिव

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं जाप्तरण कार्यालयों द्वारा प्रेषित है-

१. निजी सचिव, मान्यमुद्योग संक्रीय महोदय/राजस्व भूमि महोदय
२. निजी सचिव, मुद्योग सचिव महोदय
३. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव, राजस्व
४. निबन्धक, राजस्व मण्डल, अजमेर।
५. समस्त भूभागीय आयुक्त, राजस्व।
६. समस्त ज़िला कलेक्टर, राजस्व।
७. निदेशक, राज्य केन्द्रीय सदृष्टि लय, जयपुर को अधिसूचना का राजपत्र जिरोड़ के दिनांक १३.२.०५, द्वारा प्रकाशित।
८. निदेशक, जनसम्मलेश निदेशालय, जयपुर।
९. राविरा, राजस्व मण्डल, अजमेर।
१०. समस्त उप शासन सचिव, राजस्व मण्डल, उपनिवेश।
११. अतिरिक्त निबन्धक, राजस्व मण्डल, अजमेर, वित्त एवं लेखन।
१२. रक्षिता पत्रावली।

राजसन उप सचिव